C M Y K

रायगढ़,
11.09.2017
अश्वीन कृष्ण 04
पृष्ठ 8, मूल्य 3

साप्ताहिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

Web: www.nyaysakshi.com
3 देखें...शिक्षाकर्मी वर्ग 3 भर्ती नियुक्ति की शिंकायत | 6 देखें मनोरंजन में ....
» वर्ष-1 » अंक - 25 »

न्याय की आशा में दुनिया से विदा हो गए घुरउराम, सामाजिक न्याय संघ ने दिलाया शेष को न्याय

▸ हाईकोर्ट के दखल के बाद अब मिलेगा मुआवजा ▸ राजभवन से प्राप्त पत्र के बाद भी नहीं हुई थीं कोई कार्यवाही

न्याय साक्षी खबर का असर...

सामाजिक न्याय संघ के प्रयास से माननीय उच्चा न्यायालय के द्वारा मालिकराम, हेरउराम एवं स्व. घुरउराम के पक्ष में निर्णय दिया और उन सभी को रायगढ़ कलेक्टर के समक्ष अपना पक्ष रखने को कहा है, जिस हेतु सामाजिक न्याय संघ तैयारी कर रहा है।

छत्तीसगढ़ शासन
GOVERNMENT OF CHHATTISGARH
(DEPARTMENT OF FINANCE, PLANNING ECONOMICS AND STATISTICS)
DIRECTORATE OF ECONOMICS AND STATISTICS
NAME OF LOCAL BODY ISSUING CERTIFICATE
मृत्यु प्रमाण-पत्र
DEATH CERTIFICATE
(Issued under Section 12/17 of the Registration of Birth and Death Act, 1969 and Rule 8/13 of the Chhattisgarh State Registration of Birth and Death Rules, 2001)
This is to certify that the following information has been taken from the original record of death which is the register for (local area/local body) ... of Tehsil/Block ... District ... of State/Union territory
Date of Registration 19/07/17
Date of issue 19/07/17
Signature of the issuing authority

HIGH COURT OF CHHATTISGARH, BILASPUR
NAFR
WPC No.2185 of 2017
(Arising out of judgment/order dated .... in Case No. ...... of the learned......)
1. Ghurauram S/o Shri Konda, Aged About 62 Years R/o Village & Post Garumariya, Tahsil & District Raigarh, Chhattisgarh.
2. Heerau Ram S/o Shri Konda, Aged About 60 Years R/o Village & Post Garumariya, Tahsil & District Raigarh, Chhattisgarh.
3. Malikram S/o Shri Konda, Aged About 45 Years R/o Village & Post Garumariya, Tahsil & District Raigarh, Chhattisgarh.
---- Petitioners
Versus
1. State Of Chhattisgarh Through Secretary, Department Of Revenue, Mahanadi Bhavan, Mantralaya, Raipur, District Raipur, Chhattisgarh.
2. Collector, District Raigarh, Chhattisgarh.
3. Sub Divisional Officer, Raigarh, District - Raigarh Chhattisgarh.
4. Kirodimal Institute Of Technology, Through Its Director, Udiya Road NH 200, Garhumariya, Raigarh, District Raigarh, Chhattisgarh.
---- Respondents

अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए लिखित आवेदन मय शपथ-पत्र में तीनों भाईयों क्रमशः मालिकराम, हिराउराम एवं घुरउराम(तब जीवित थें, जो कि अब नहीं रहे) सभी निवासी मुकाम पोस्ट गढउमरिया, तहसील रायगढ़, जिला रायगढ़, छ0ग0 ने कहा था कि हम सह खातेदार है, और हमारी हक़, स्वत्व एवं कब्जे की पुश्तैनी जमीन रायगढ़ जिले में ग्राम गढउमरिया, प0ह0नं0 23 , रा0नि0मं0 पुसौर तहसील रायगढ़, जिला रायगढ़ छ0ग0 में बरसों से है।

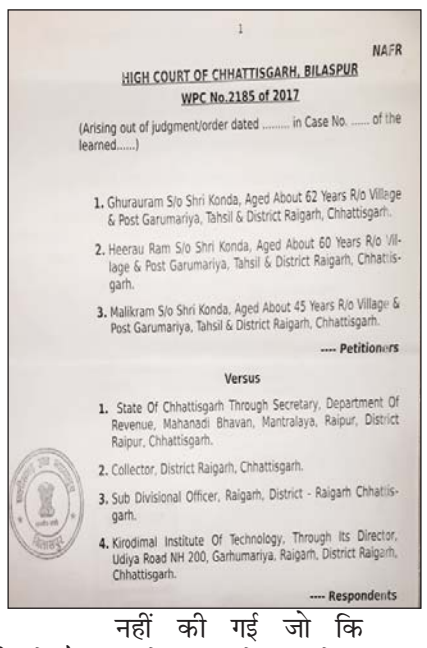

किरोड़ीमल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोज़ी, गढउमरिया रायगढ़ जो कि शासन से प्रवर्तित इंजीनियरिंग महाविद्यालय है, की स्थापना के समय हमारी जमीन को भी शासन के द्वारा अधिग्रहित किया गया था। उक्त अधिग्रहण के सापेक्ष में हमें बताया गया था कि हमें मुआवज़ा राशि मिलेगी तथा साथ में घर के सदस्य को शासकीय नौकरी भी दी जायेगी, जिसपर हमने अपनी जमीन को कही गई न्यायोचित मुआवज़ा राशि पर,, एवं हम तीन भाईयों के घर से एक सदस्य को नौकरी का लाभ मिलता देख सहमति प्रदान की थीं। उक्त अधिग्रहण की कार्यवाही 2001 में की गई। जिसके बाद से लगातार 16 वर्ष से हम प्रताड़ित हो रहे हैं, क्योंकि हमें अभी तक मुआवज़ा नहीं मिला है, जो कि हमारे लिए बेहद कष्टकारक है।

अपने आवेदन में कहा कि हिराउ राम के पुत्र छोटेलाल को नौकरी दी गई एवं मालिकराम एवं घुरउराम के पुत्र/पुत्री को नौकरी नहीं दी गई, आज दिनॉक को हम सभी अपने आप को शासन के द्वारा ठगा हुआ सा महसूस करते हैं, अतः यह आवेदन आपके संज्ञान में लाए जाने की आवश्यकता महसूस हुई थी, जिसपर आज दिनॉक तक कोई कार्यवाही नहीं की गई जो कि आवेदक हेतु बेहद तकलीफ का विषय है। कहा कि, उक्त सम्बंध में हमारे द्वारा निदेशक, किरोड़ीमल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोज़ी, गढउमरिया रायगढ़ को कई बार लिखित में एवं मौखिक रुप से कार्यवाही करने को कहा लेकिन वे कुछ नहीं करते, कलेक्टर रायगढ़ के द्वारा भी कोई कार्यवाही नहीं की जा रही, जिससे हम सभी बेहद परेशान हैं, और न्याय के लिए कई सालों से भटक रहे हैं।

अपने आवेदन में यह भी कहा कि, हमें विदित है कि कार्यालय कलेक्टर भू-अर्जन शाखा रायगढ़ छ0ग0 में मूल चालान क्रमांक 223 दिनॉक 03/02/2014 को राशि 8,88,000/- अक्षरांक आठ लाख अठ्ठासी हजार रुपये जमा किए जा चुके हैं, जिसके बाद भी हमें आज तक मुआवज़ा रकम प्राप्त नहीं हुई है, जो कि हमें मानसिक रुप से प्रताड़ित किया जाने वाला है। हमारे द्वारा तत्सम्बंध में समक्ष नोटरी किए गए शपथ-पत्र के साथ यह

आवेदन सामाजिक न्याय संघ जो कि शासन से मान्यता प्राप्त संस्था है, के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसपर संघ ने तत्काल कार्यवाही के लिए उच्चाधिकारियों के लिखा, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई, जिसपर पुनः स्मरण-पत्र जारी किया गया। लेकिन शासन की ओर से कोई कार्यवाही नहीं हुई। जिसपर संघ ने पूरे प्रकरण को माननीय उच्च-न्यायालय के समक्ष न्याय हेतु प्रस्तुत किया, लेकिन प्रकरण के लंबित रहने के दौरान घुरउराम की मृत्यु हो गई, जो कि बेहद तकलीफ का विषय है।

गुरमीत राम रहीम के डेरे में शवों की भी होती थी बिक्री, डेरे से 14 शव को लखनऊ में बेचा

लखनऊ। साध्वियों से दुष्कर्म के मामले में लंबी सजा पाने वाले डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत राम रहीम के काले कारनामों का चिठ्ठा खुलता ही जा रहा है। उसके डेरे से शवों को भी बेचा जाता था। राम रहीम के डेरे से 14 शव को लखनऊ में बेचा गया था। यह शव बिना डेथ सर्टिफिकेट के लखनऊ भेजे गए थे। अब राम रहीम पर शवों और मानव अंगों की अवैध तस्करी का आरोप लग रहा है। इन शवों के साथ न कोई डेथ सर्टिफिकेट था और न ही सरकार की अनुमति का पत्र। दरअसल मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की टीम ने पिछले दिनों यहां निरिक्षण किया था, निरिक्षण के दौरान मेडिकल की पढ़ाई के लिए एक भी शव न मिलने पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद कॉलेज ने जनवरी से अगस्त के बीच 14 शव मंगाए। लखनऊ के एसएसपी दीपक कुमार ने कहा कि मार्च से जून के बीच यहां 14 डेड बॉडी आई थी। कागजात मांगे गए थे। डेड बॉडी परिवारीजनों के स्वीकृति पत्र देने के बाद सुपुर्द की गई है। इस संबंध में आईएमसी से रायसुमारी की जाएगी। राम रहीम के डेरे से 14 शव को लखनऊ के बक्शी का तालाब क्षेत्र के जीसीआरजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइसेंज में भेजा गया था।

एसएसपी दीपक कुमार के मुताबिक मार्च 2017 से जून माह तक करीब 14 शव जीसीआरजी में आए थे। इस बाबत छानबीन के दौरान शव को दान करने वाले लोगों का ब्योरा उपलब्ध मिला है। मामले की जांच की जा रही है। एसएसपी ने बताया कि शवों को दान करने वाले राम रहीम के अनुयायी हैं और डेरे से जुड़े हुए लोग हैं। इसके बारे में पूछताछ में जीसीआरजी कॉलेज के अधिकारियों ने कहा कि शवों का प्रयोग छात्रों के पढ़ाई और रिसर्च के लिए इस्तेमाल किया गया है। कॉलेज प्रशासन के पास से सभी कागजात बरामद किए गए हैं। अभी तक की जांच में पाया गया है कि परिवारीजन की स्वीकृति से ही शव दान किए गए हैं। एसएसपी का कहना है कि वह इस प्रकरण में एमसीआइ की गाइड लाइन के बारे में पता लगाकर सलाह लेंगे। पुलिस नियम की जानकारी करेगी और कानून का उल्लंघन पाए जाने पर आरोपितों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। जीसीआरजी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइसेंज के चेयरमैन सेवानिवृत पीसीएस अधिकारी ओमकार यादव के बेटे अभिषेक यादव हैं। इस मामले में कॉलेज के ट्रस्टी ओमकार यादव ने बताया कि मेडिकल कॉलेज में आई सभी 14 डेड बॉडी डोनेशन में दी गई है। नेचुरल डेथ वाली बॉडी है।

पढ़ने और सीखने की कोई उम्र नहीं होती हैः उपराष्ट्रपति

रांची। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडु ने आज यहां कहा कि पढ़ने और सीखने की कोई उम्र नहीं होती है और यह उन्होंने स्वयं अपने अनुभव से जाना है क्योंकि बचपन में हिन्दी नहीं पढ़ पाने के बावजूद उन्होंने बड़ा होकर हिन्दी पढ़ी जिसका उन्हें आज भी लाभ हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर यहां आयोजित कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण महिलाओं के सवाल के जवाब में उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडु ने आज यह बात कही। उन्होंने बुजुर्ग लोगों को साक्षर बनाने का आह्वान करते हुए कहा, ''शिक्षा अथवा सीखने की कोई उम्र सीमा नहीं होती है।

किसी भी उम्र में शिक्षा या साक्षरता प्राप्त की जा सकती है।'' नायडु ने कहा, ''मैंने बचपन में हिन्दी नहीं पढ़ी। बाद में जब दिल्ली पहुंचा तब समझ में आया कि हिन्दी के बिना काम नहीं चलेगा। बड़ी उम्र में ही हिन्दी सीखना प्रारंभ किया जिसके चलते आज मैं हिन्दी सीख सका और आप सभी लोगों से हिन्दी में बातचीत कर पा रहा हूं।'' उन्होंने कहा कि शिक्षा और साक्षरता के लिए देश में सभी को प्रयास करना चाहिए क्योंकि गरीबी से लड़ने के लिए, भ्रष्टाचार दूर करने के लिए और देश के समग्र विकास के लिए सभी का शिक्षित होना अनिवार्य है। लोहरदगा निवासी विमला उरांव ने उपराष्ट्रपति से पूछा कि मैं साक्षर तो हो गई हूं लेकिन इस साक्षरता का उपयोग क्या है, इस पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि आप का एक उपराष्ट्रपति से खुल कर सवाल पूछना ही आपके साक्षर होने की सार्थकता को प्रमाणित करता है। उन्होंने कहा, ''इतने लोगों के सामने आपनेसवाल किया। यही साक्षर होने की उपयोगिता है। हजारीबाग की रीना देवी ने पूछा कि हम साक्षर तो हैं अब इस शिक्षा का उपयोग कहां करें इस सवाल के जवाब में उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश और राज्य में महिलाओं के लिये कई योजनाएं संचालित हैं। आप कौशल विकास का प्रशिक्षण लेकर स्वरोजगार अपना सकती हैं। मुद्रा योजना और स्टार्टअप योजना का लाभ लेकर अपना व्यवसाय प्रारम्भ कर सकती हैं।

आईजी की सुरक्षा में लगे सिपाही को लगी गोली

उन्नाव। पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय में गोली चलने की आवाज से अफ़रा-तफ़री मच गई। यहां पर आईजी के बंगले की सुरक्षा में तैनात गारद के सिपाही को गोली लगने के बाद मामला तूल पकड़ गया। उन्नाव के गुलाब सिंह लोधी पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय में पुलिस लाइन से आई गारद का सिपाही कौशलेन्द्र यादव आईजी की सुरक्षा में उनके बंगले पर तैनात था। आज सुबह संदिग्ध हालात में उसके गोली लग गई। इसके बाद नाजुक हालत में उसको अस्पताल ले जाया गया। इस बारे में ट्रेनिंग सेंटर का कोई अधिकारी घटना कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। सूत्र बताते हैं आपसी विवाद के चलते प्रशिक्षु सिपाही ने सिपाही को गोली मारी है। सिपाही को उन्नाव के किस अस्पताल में रखा गया है। अधिकारी अब इसकी भी जानकारी देने को तैयार नहीं हैं।

दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग ने बच्चे को दिया जन्म

मुंबई। मुंबई में 13 वर्षीया दुष्कर्म पीड़िता ने एक बच्चे को जन्म दिया। पीड़िता की चिकित्सकीय हालत देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात कराने की अनुमति दी थी। उसका गर्भ 32 सप्ताह का हो चुका था। यहां के एक डॉक्टर ने बताया कि सिजेरियन आपरेशन से प्रसव कराया गया। बच्चे का वजन 1.8 किलो है और उसे जेजे अस्पताल में नवजात सघन चिकित्सा इकाई में रखा गया है। जेजे अस्पताल में फिज़ीशियन विभाग के डीन एवं प्रोफेसर विनायक काले ने बताया, 'शुक्रवार दोपहर में सिजेरियन आपरेशन किया गया। इसके बाद लड़की ने बच्चे को जन्म दिया। दो दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग लड़की को गर्भपात कराने की अनुमति दी थी। काले ने कहा, 'शीर्ष अदालत के निर्देश पर हमने काम शुरू किया। लेकिन पाया कि गर्भस्थ शिशु पूरी तरह विकसित हो चुका है। प्रसव कराना ही विकल्प रह गया था।' मामले की देखरेख के लिए अदालत द्वारा गठित समिति में काले भी सदस्य थे। मां और बच्चे सुरक्षित हैं और उनकी हालत स्थिर है। अशोकानंद के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक टीम ने ऑपरेशन किया। अशोकानंद अदालत द्वारा गठित समिति के प्रमुख थे।

प्रेम विवाह से नाराज परिजनों ने पूरे परिवार को मारी गोली, 2 की मौत

कैमूर। बिहार के कैमूर जिले के मोहनिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात कथित रूप से प्रेम विवाह से नाराज एक परिवार ने दूसरे परिवार के चार लोगों को गोली मार दी। इस घटना में पति-पत्नी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि मृतक की दो बेटियां गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस के अनुसार, मुबारकपुर गांव निवासी कमला चौधरी के घर पर छह से सात की संख्या में आरोपियों ने धावा बोल दिया और ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। इस घटना में कमला चौधरी और उनकी पत्नी शांति देवी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि उनकी दो बेटियां सुष्मिता और किरण गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गई। किरण का कुछ ही महीने पहले विवाह हुआ था। घायलों को इलाज के लिए वाराणसी भेजा गया है। मोहनिया के थाना प्रभारी मनोज कुमार ने शनिवार को बताया कि प्रथम दृष्ट्या इस घटना के पीछे प्रेम प्रसंग का मामला बताया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के मुताबिक, मृतक कमला चौधरी के बेटे का पास के इलाके में रहने वाले अरविंद सिंह की बेटी के साथ प्रेम प्रसंग था। तीन माह पूर्व लड़का और लड़की घर से फ़रार हो गए और कोर्ट में जाकर शादी कर ली। मृतक के परिजनों का आरोप है कि इस घटना से नाराज अरविंद सिंह और उसके परिजनों ने इस घटना को अंजाम दिया है।

विदेश मंत्री के हस्तक्षेप के बाद युवक को सऊदी अरब में कराया गया मुक्त

अगरतला। त्रिपुरा के भाजपा प्रभारी सुनील देवधर ने आज कहा कि विदेश मंत्री सुषमा स्वरज के हस्तक्षेप पर राज्य के 32 वर्षीय एक व्यक्ति को सऊदी अरब में उसके नियोक्ताओं से मुक्त कराया गया। दक्षिण त्रिपुरा के बारापठारी गांव का निवासी गोपाल दास काम की तलाश में तीन साल पहले सऊदी अरब गया था। उसे ड्राइवर की नौकरी मिली थी लेकिन उसके नियोक्ता उससे रोजाना 22 घंटे घरेलू और कृषि मजदूर के रुप में भी दास की तरह काम कराता था। उसकी मुश्किलें तब और बढ़ गयी जब उसके मालिक ने उसे तनख्वाह से भी वंचित कर दिया। वह उसे शारीरिक प्रताड़ना भी देता था। लेकिन वह इन बातों की जानकारी अपने परिवार के सदस्यों को नहीं दे पाया क्योंकि वह निरंतर निगरानी में था। देवधर ने बताया कि दास को उसके मालिक ने बर्खास्त कर दिया और उसे 29अगस्त को अपने घर से निकाल दिया। उसके बाद दास एक गैराज में आश्रय लेने में सफ़ल रहा और उसने अपनी बीवी भबीता को सारी बात बतायी। भबीता ने अपने मोहल्ले में रुसेल सिन्हा से संपर्क किया। रुसेल ने गोपाल से बात की। उसने उसे अपने बयान का वीडियो भेजने को कहा। रुसेल ने 31 अगस्त को यह वीडियो स्वराज को ट्वीट किया।

परमाणु वैज्ञानिक का सड़ चुका शव घर से

नई दिल्ली। पूसा इंस्टीट्यूट क्वार्टर से एक परमाणु वैज्ञानिक का सड़ चुका शव बरामद किया गया। वैज्ञानिक के मानसिक रूप से अस्थिर भाई-बहन शव के साथ दुर्गंध के बावजूद रह रहे थे। पोस्टमार्टम अनुमति हेतु परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित नहीं थे, जिसकी वजह से अभी तक शव का पोस्टमार्टम नहीं हुआ। संदेह है कि वैज्ञानिक यशवीर सूद की कुपोषण की वजह से तीन चार दिन पहले मौत हुई होगी।

तत्काल आवश्यकता है

न्यायसाक्षी समाचार-पत्र रायगढ़ एवं जशपुर जिले हेतु रिपोर्टर/संवाददाता चाहिए तत्काल संपर्क करें...

न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
श्रीराम कॉलोनी,स्टेडियम के पीछे, कैरियर स्कूल के पास, रायगढ़ छ.ग. मो. नं. 9039961090

ऑफसेट प्रिंटिंग - न्यूज पेपर प्रिंटिंग

वेस्ट जर्मनी की ऑफसेट मशीन *हेडलबर्ग* से 4 कलर की सभी तरह की प्रिंटिग होती है। प्रिंटिंग जॉब हेतु सम्पर्क करें ....

न्यायसाक्षी प्रिंटर्स एण्ड प्रेस
श्रीराम कॉलोनी, स्टेडियम के पीछे, कैरियर स्कूल के पास, रायगढ़ छ.ग. मो. नं. 9589876400

C M Y K